Total No. of Pages : 04 Roll No. .....

# DCH-101

# Basic Principle of Horticulture

# उद्यानिकी के मौलिक सिद्धांत

# Diploma in Commercial Horticulture (DCH-12/16/17) First Semester Examination, 2019

*Time : 3 Hours* *[Maximum Marks : 40]*

Note - This Paper is of Forty (40) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट– यह प्रश्नपत्र चालीस (40) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड 'क'

## दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न

नोट– खण्ड 'क' में तीन (03) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को

इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(2 x 10 = 20)

1. उद्यान विज्ञान को परिभाषित कीजिए तथा भारत में फलोत्पादन के महत्व का वर्णन कीजिए।

2. भारत में फलोउत्पादन की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य पर प्रकाश डालिए।

3. फल वृक्ष का जीर्णोद्धार क्या है। इसके लाभ क्या है तथा यह किस प्रकार किया जाता है।

## खण्ड 'ख'
## लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट- खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(4 x 5 = 20)

1. फल वृक्षों को पानी देने एवं कृन्तन के नियम बताइए।





2. जीर्णोद्धार के महत्व का वर्णन कीजिए।

3. बीज तथा वानस्पतिक विधियों द्वारा प्रसारण के लाभ एवं हानियों की विवेचना कीजिए।

4. कलिकायन क्या है। कलिकायन की विभिन्न विधियों का चित्र सहित वर्णन कीजिए।

5. एक व्यवसायिक फलोद्यान लगाते समय आप किन किन बातों का ध्यान रखेंगें।

6. दस वायुवृत्ति के नाम लिखे है। वायुवृत्ति तथा हैज में अंतर स्पष्ट कीजिए।